

02

Feb
2024

M	T	W	T	F	S	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29			

MONDAY

JANUARY 2024

15

WK 03 • 015-351

Date
7-02-24कार्य रिपोर्ट

जन्म - 1779 जर्मनी

मृत्यु - 1859 वर्धित जर्मनी

- एम्बाल्ड एवं रिटल दोनों ही वर्तमान मशीन के निरन्तर काम के पर्याय माने जाते हैं।

- इ-हीने इतिहास, गणित, मशीन, दर्शनशास्त्र विषयों का अध्ययन किया।

- 1819 में कुंकफर्ट विश्वविद्यालय के अभियंताशाला में वे डिप्लोमा-इन्-इंजीनियरिंग का प्रोफेसर नियुक्त किए गए।

- ये एम्बाल्ड की तरह मूलतः नहीं किए क्योंकि वे एक गरीब परिवार में जन्म लिए थे।

- इ-हीने एम्बाल्ड के तथा पूर्व के विचारों के आधार पर अध्ययन एवं लेखन कार्य किया। इ-हीने काया इ-हीने आराम कुशीं वाला मशीन के नाम कहते हैं।

M	T	W	T	F	S	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

ये वर्गों-न विरववि साम्य में मूल्य के प्रथम को प्रोफेसल बना। जहाँ जीवनपर्यंत प्रोफेसल पद चलते रहे।

रचनाएँ

- यूरोप का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांख्यिकीय विवरण (1804)

- यूरोप के 6 मानचित्र

- यूरोप का मूल्य

- रूस के 19 खण्डों में विभाजन

प्रथम खण्ड - अफ्रीका महादीप पर

द्वितीय खण्ड - एशिया महादीप पर

कार्य प्रणाली

① अनुभविक विधि

② तुलनात्मक विधि

(iii) विरले पदों तथा संकेतों पर विधि

(iv) प्रादेशिक वर्गीकरण विधि

(v) मानचित्र विधि।

भौतिक विज्ञान

- इलेक्ट्रॉन अणुका में परमाणु का
स्थिति दिया।

- ये किसी भेद को व्यक्त नहीं
बल्कि गणनात्मक मानते हैं।

- ये द्वैतवादी दृष्टिकोण रखते हैं।

- ये मानव केंद्रित विचारक हैं

- ये वास्तविक-निश्चिन्ता को मानने
वाले हैं।

- इनके अनुसार भौतिक विविधता
के द्वारा ही ऐतिहासिक विविधता
उत्पन्न होती है।

- इलेक्ट्रॉन मापदण्ड (Lanerkunde)
का प्रयोग किया जा, जिसका अर्थ
प्राकृतिक प्रदेश होता है।

- इनका प्राकृतिक भोजन का अर्थ
माना जाता है।

- 8 - इंडोनेशिया में मेरा [19920] विचार एवं परिकल्पनाओं को विचारों को बहुत महत्वपूर्ण स्थान दिया।
- 9
- 10 - इंडोनेशिया में आगमनिक (Inductive) विधि से अध्ययन पर विशेष ध्यान दिया।
- 11
- 12 - ये प्रकृति प्रेमी तथा आधुनिक थे।
- 1 - इनके अनुसार पृथ्वी ^{मनुष्य} के लिए तथा मानव पृथ्वी के लिए बना है।
- 2
- 3 - इंडोनेशिया में क्षेत्र (field Geography) को तीन खंडों में बांटा -
- 4
- 5
- 6
- (i) मसौदा (Topical)
 - (ii) आकृतिक (Formal)
 - (iii) भौतिक रूप आधारित (Material Form)
- इंडोनेशिया प्रकृतिक महत्वाकांक्षी की परंपरा में मिनट जाति तथा विभिन्न रंगों से की

जी -

- (i) अफ्रीका - का कामे निवासी
- (ii) यूरोप - गौर ॥
- (iii) एशिया - पीले ॥
- (iv) अमेरिका - लाल ॥

दार्शनिक तथा चिंतन की समानताएँ

- (i) दोनों प्रकृति की रचना में विश्वास करते थे।
- (ii) दोनों ने भौगोलिक अध्ययन में मानव को महत्व दिया।
- (iii) दोनों ने भौगोलिक अध्ययन में अनुभविक विधि (Empirical Method) को महत्वपूर्ण माना।
- (iv) दोनों आधुनिक व वैज्ञानिक व्यवस्था के जनक थे।
- (v) दोनों जर्मन वासी थे जो दोनों की मृत्यु 1859 में हुई।

शासमानाए

- (i) रिटर ने पृथ्वी को मानव का निवास माना जबकि एरबोल्ट ने मानव को मात्र पृथ्वी का जीव माना।
- (ii) एरबोल्ट एक अन्वेषक थे जबकि रिटर आराधक थे।
- (iii) रिटर के विचार ईश्वरीय उद्देश्यवादी थे जबकि एरबोल्ट के विचार धारा पूर्व वैज्ञानिक थी।
- (iv) एरबोल्ट ने एक व्यवस्थित भूगोल (Systematic Geography) की रचना की जो सामान्य भूगोल भी कहलाता है जबकि रिटर के प्रादेशिक भूगोल (Regional Geo) का अस्तित्व कहा जाता है।

21

कहलाता है जबकि रिटर के प्रादेशिक भूगोल (Regional Geo) का अस्तित्व कहा जाता है।

- (v) एरबोल्ट ने मानव को अन्य जन्तुओं के समान माना जबकि

रिटर ने मॉडर्न लिटरेचर अध्ययन में
मानव को केंद्रीय स्थान दिया।

(vi) रिटर की विधि निगमनात्मक माना
जाता है जबकि एम्बोल्ड की विधि
आगमनात्मक मानी जाती है।

(vii) एम्बोल्ड की विधितंत्र में एम्बोल्ड
का आधार वैश्विक या जगत् रिटर
का उद्देश्य परक था।

(viii) एम्बोल्ड का जन्म 1769 में हुआ
जबकि रिटर का जन्म 1779 में
हुआ फिर भी दोनों की मृत्यु एक
ही वर्ष 1859 में हुई थी।

निष्कर्ष (Conclusion)

रिटर की उपलब्धियाँ इसकी
सैत्र विवेचना, पृथ्वी की सत्ता, मानव
की सैत्रीय विपलों में उपयुक्त
रचना, प्राकृतिक परिवेश, मानवीय
सत्त्व विवेचना, सैत्रों में रिटर प्राकृतिक

23

TUESDAY

WK 04 • 023-343

2024 JANUARY

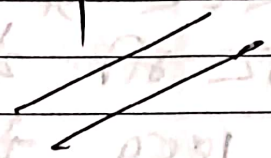
M	T	W	T	F	S	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

01

Jan

2024

8 खं मानवीम तत्त्वों के परिवेश
 का अन्तर्बन्ध जैसे विद्युत्
 9 घट बुद्धिमत्ता पूर्ण ज्वालना, उसकी
 10 कमियों के कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण
 रही जैसा कि पुरातन में ही
 11 कहा गया है कि वह एक
 12 ऐसा महान्वेग, माहल, विवेक
 1 खं मार्ग निर्देशक रहा जिसका
 2 कि तालमिड एतद्विषय-ले ही
 3 अधिक रहा।



3
 4
 5
 6